B-3
L-36
Indian Society

15-01-2024

जनसंख्या वृद्धि / विस्फोट

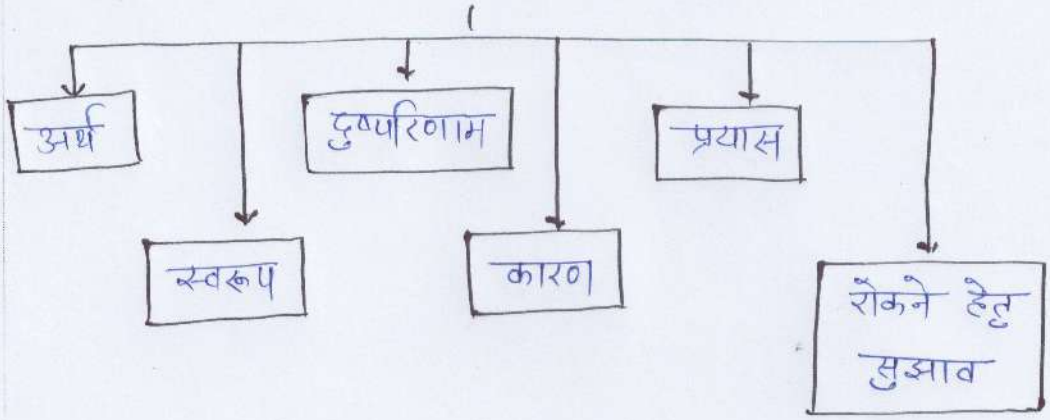

जनसंख्या वृद्धि का अर्थ-

जनसंख्या वृद्धि का तात्पर्य किसी देश के आर्थिक संसाधनों की तुलना में जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि से है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि का स्वरूप-

1- भारत में जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि हुई है (दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर - 17.64 ⇒ जनगणना 2011), जिसकी दर पहले से कम होने बावजूद सामान्य देशों से अधिक है

2- आज भारत में विश्व के कुल 2.4% क्षेत्र में विश्व की 16.8% आबादी रहती है।

3- भारत में प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ 85 लाख

KGS IAS
KHAN SIR

जनसंख्या बढ़ जाती है (लगभग आस्ट्रेलिया के बराबर)

4. संयुक्त राष्ट्र संघ की 2017 की रिपोर्ट के अनुसार - 2027 में भारत की जनसंख्या 1.44 अरब हो जायेगी, जो चीन से अधिक होगी तथा 2030 में यह 1.5 अरब हो जायेगी, परंतु संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में ही भारत की जनसंख्या चीन से अधिक 142.8 करोड़ हो चुकी है। जबकि चीन की जनसंख्या 142.5 करोड़ है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम / नकारात्मक पक्ष →

1. शुद्ध राष्ट्रीय आय / प्रति व्यक्ति आय में कमी,
2. मुद्रास्फीति / महंगाई में वृद्धि,
3. गरीबी एवं बेरोजगारी में वृद्धि,
4. जीवन स्तर में गिरावट एवं निरक्षरता की समस्या,
5. स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में वृद्धि
6. अतिनगरीकरण की समस्या में वृद्धि
7. वैयक्तिक विघटन, पारिवारिक विघटन एवं सामाजिक विघटन

भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण -

a) - जन्मदर और मृत्युदर के मध्य बढ़ता अंतर (2011 की जनगणना के अनुसार भारत में जन्मदर 20.22 प्रति हजार जबकि मृत्युदर 7.4 प्रति हजार)

b) - भारत में उच्च जन्मदर के कारण अर्थात जनसंख्या वृद्धि के कारण -

i) - धार्मिक मान्यताएं एवं भाग्यवादी प्रवृत्ति

ii) - अशिक्षा एवं अज्ञानता

iii) - गरीबी, बेरोजगारी एवं निम्न जीवन स्तर

iv) - जनन आयुवर्ग में जनसंख्या की अधिकता

v) - बालविवाह या कम आयु में विवाह (UNICEF की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 27% विवाह कम आयु में)

vi) - बच्चे को आर्थिक संसाधन मानना

vii) - पितृसत्तात्मकता एवं संयुक्त परिवार

viii) - चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि के परिणामस्वरूप जन्मदर की तुलना में मृत्युदर में कमी

NOTE - उपरोक्त (i) से (vii) तक उच्च जन्मदर के कारण के रूप में तथा (viii) निम्न मृत्युदर के कारण के रूप में - जनसंख्या वृद्धि के

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Institute
KHAN SIR

लिए उत्तरदायी रहे हैं।

भारत में जनसंख्या वृद्धि को रोकने हेतु किए गए प्रयास →

⇓

परिवार नियोजन एवं जनसंख्या नीति की चर्चा करें।

जनसंख्या वृद्धि रोकने हेतु सुझाव:-

⇓

1. सामाजिक आर्थिक विकास को तीव्र किया जाये।
2. आधुनिक शिक्षा (मुख्य रूप से स्त्री शिक्षा) तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास किया जाए (अमर्त्य सेन का केरल मॉडल)
3. परिवार नियोजन कार्यक्रम का प्रचार एवं इसके पक्ष में जनमत का निर्माण किया जाये।
4. बाल विवाह को रोका जाये और लिंग समानता की स्थापना की जाये।
5. गर्भपात के नियमों को उदार बनाया जाये।
6. चीनी मॉडल द्वारा जन्मदर को नियंत्रित किया जाये
7. जनसंख्या को एक संसाधन के रूप में विकसित किया जाये (अमर्त्य सेन)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

अमर्त्य सेन का केरल मॉडल

⇓

अमर्त्य सेन ने भारत में जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में साक्षरता में वृद्धि और स्वास्थ्य सुविधाओं पर बल दिया है और इस संदर्भ में केरल का उदाहरण दिया है, जहाँ उच्च साक्षरता दर के कारण जन्मदर भी निम्न बना हुआ है।

चीनी मॉडल

⇓

जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए 1978 में चीन में परिवार नियोजन को मौलिक कर्तव्य में जोड़ा गया और 1980 में प्रति युगल एक संतान का नारा दिया गया और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन और दबाव-मूलक दोनो तरीकों का प्रयोग किया गया - जनसंख्या नियंत्रण के इन्हीं तरीकों को चीनी मॉडल की संज्ञा दी जाती है।

⇓

चीन में 2013 में जनसंख्या नीति में पुनः बदलाव किया गया और जनसंख्या बढ़ाने पर बल दिया गया और इसके लिए प्रति युगल दो संतान को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR